

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II --- खण्ड 3--- उपसण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 105∫

नदै विल्ली, मंगलवार, भन्नेल 30, 1974/वैशाल 10, 1896

No. 105]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 30, 1974/VAISAKHA 10, 1896

इस भाग भें भिक्त पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकासन के रूप में रखा जा रूप ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 1974

G.S.R. 199(E).—Whereas by the Notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. G.S.R. 208(E), dated the 26th April, 1973, as amended by the Notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. G.S.R. 195(E), dated the 29th April. 1974, all the provisions of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) have been made applicable to the Fact Finding Committee set up under the Resolution of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. 19/3/72-Press, dated the 14th April, 1972;

And whereas having regard to the nature of the inquiry to be made by the said Committee and other circumstances of the case, the Central Government is of opinion that the provisions of sub-sections (2), (3), (4) and (5) of section 5 of the said Act should be made applicable to the said Committee;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the said Act and all other powers hereunto enabling, the Central Government hereby directs that the provisions of sub-sections (2), (3), (4) and (5) of the said section 5 shall apply to the said Committee.

[No. F. 13(2)/74/FFCNE]

A. J. KIDWAI, Secy.

स्चना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 प्रश्रैल, 1974

सा० का० वि० 199(म) — यतः भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधिमूचना सं० सा० का० नि० 195(म्र) सारीख 29 म्रप्रैल द्वारा यथा संगोधित भारत सरकार के सूचना और प्रमारण मंत्रालय की प्रिश्चिमूचना सं० जी० एम० म्रार० 208(म्र), तारीख 26 म्रप्रैल, 1973 द्वारा, जांच म्रायोग धिनियम, 1952 (1952 का 60) के सभी उपबन्ध, भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मंकल्प सं० 19/3/72-प्रैम, तारीख 14 म्रप्रैल, 1972 के म्रायीम स्थापित तथ्य भ्रन्बेषक समिति को लागू किए गए हैं;

श्रौर यतः, उक्त ममिति द्वारा की जाने वाली जांच के स्वरूप श्रौर मामले की श्रन्य परिस्थितियों का ध्यान रखते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त श्रिधिनियम की धारा 5 की उपधारा (2), (3), (4) श्रौर (5) के उपबन्ध उक्त समिति की लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों भौर इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी श्रन्य श क्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निदेश देती है कि उक्त धारा 5 की उपधारा (2), (3), (4) श्रौर (5) के उपबन्ध उक्त समिति को लागू होंगे।

[सं० एफ. 13(2)/74/एफ०एफ०सी०एन०ई०] ए० जे० किवबाई, सचिव।